अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2023) दिनांक : 22.08.2023

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ-निर्जरा, बंध, मोक्ष–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 16

निर्जरा–किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें–

(क) वेदना और निर्जरा में क्या भेद हैं, एक लाईन में बताएं।

(ख) दर्शन मोहनीय के सम्पूर्ण क्षय से क्या उत्पन्न होता है?

(ग) स्वामी जी ने अनुपम निर्जरा किसे कहा है?

(घ) अनशन आदि प्रथम चार तपों में परस्पर क्या अन्तर है?

(ङ) अज्ञात चरक किसे कहते हैं?

(च) भिक्षाचर्या–भिक्षाटन को तप क्यों कहा गया है?

बन्ध–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(छ) संक्षेप में–प्रदेश बंध किसे कहते हैं?

(ज) संक्षिप्त रूप में उदीरणा का वर्णन करें।

(झ) प्रत्येक कर्म कितने स्पर्शी होते हैं तथा इनमें कौन से स्पर्शन कितने वर्ण गंध रस व गुण होते हैं?

मोक्ष–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–ि

(ञ) सिद्ध कहां जाकर स्थित होते हैं? और कहां शरीर छोड़ते हैं?

(ट) सर्व सिद्धों के सुख समान क्यों हैं? संक्षेप में बताऐं।

(ठ) 'निरूपग्रहता' शब्द का संक्षिप्त वर्णन करें।

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) निर्जरा–आत्म शुद्धि हेतु किए गए तप से कर्मों का क्षय किस प्रकार होता है? ***अथवा*** कर्मों के झड़ने (निर्जरण) के बावजूद कर्मों का अन्त क्यों नहीं होता है?

(ख) बंध व मोक्ष–सिद्ध करें कि बंध पुद्गल की पर्याय है? ***अथवा*** ठाणं सूत्र के अनुसार सिद्धि का क्रम बनाएं।

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 24

(क) निर्जरा-तप को अभ्युदय व कर्मक्षय दोनों का हेतु किस प्रकार कहा गया है? ***अथवा*** सहज निर्जरा, सकाम निर्जरा, अकाम निर्जरा के स्वरूप का विवेचन करें।

(ख) बंध तथा मोक्ष–कर्म जीव को किस प्रकार पराधीन बनाता है? तथा कौन से गुणस्थान में कौन से बंध हेतु विद्यमान रहते हैं? ***अथवा*** कर्मों के सम्पूर्ण क्षय की प्रक्रिया लिखें।

अवबोध (तप धर्म से बंध व विविध तक)–30

प्र. 4 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक दो लाईन में लिखें– 18

(क) क्या अकाल मृत्यु होती है?

(ख) क्या उदय के बिना बंधे हुए कर्म फल देते हैं?

(ग) क्या छद्मस्थ अकषायी होता है?

(घ) भाव शून्य क्रिया कहां होती है?

(ङ) पांच ही भावों का कितने कर्मों से संबंध है?

(च) पांच भाव कहां होते हैं?

(छ) जिस क्षेत्र में जीव अवस्थित हैं, वहां से कुछ आकाश प्रदेश छोड़कर अगले आकाश प्रदेश पर स्थित चतुःस्पर्शी पुद्गल वर्गणा को ग्रहण कर सकता है?

(ज) काय क्लेश व परीषह में क्या अंतर है?

(झ) पांच ही भावों का कितने कर्मों से संबंध है?

(ञ) एक भाव कहां होता है?

(ट) कर्मों का अस्तित्व (सत्ता) कौन से गुणस्थान तक है?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर सविस्तार लिखें– 12

(क) क्या वीतराग के कर्म बंध होता है?

(ख) क्या भाव शुभ-अशुभ दोनों हैं? तथा भावना व अनुप्रेक्षा में क्या अंतर है?

(ग) काल को कारण क्यों कहा गया है? तथा क्या तप आदि विशिष्ट धार्मिक उपक्रमों से निकाचित कर्मों को तोड़ा जा सकता है?

(घ) अबाधाकाल व सत्ता में क्या अंतर है?

श्रावक संबोध–20

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) सम्यक्त्व परिवर्तन की स्थिति में कौन सा भाव भी हो सकता है?

(ख) परिचरितव्याः सन्तो, यद्यपि ते कथयन्ति नो सदुपदेशम्।
यास्तेषां स्वैरकथास्ता एव भवन्ति शास्त्राणि।। इस पद्य का भावार्थ लिखें।

(ग) संयम साधना में रत मुनियों को निवास स्थान देने वाला व्यक्ति उन्हें क्या-क्या देता है?

(घ) सद्धालपुत्र का दूसरा नाम क्या था? वह किस नगर में रहता था? किस मत को मानने वाला था? तथा उसकी पांच सौ दुकानों वाली.....थी।

(ङ) साधु मुखवस्त्रिका रखता है, इससे कौन सी तीन बातें फलित होती हैं?

प्र. 7 कोई चार पद्य लिखें– 12

(क) 'पाय लागूं पांडिया' की कहानी को चरितार्थ करने वाला पद्य लिखें।

(ख) तुलसी प्रेक्षा प्रयोगशाला में प्रयोग होने वाले पद्य को शब्दांकित करें।

(ग) निशिभोजन की विस्मृति हो गई है? इस पद्य को पूर्ण करें।

(घ) विरोधी युगलों को समझकर स्यादवाद् का स्वाद चखने वाले पद्य को पूरा करें।

(ङ) जिस पद्य में पूणिया श्रावक का गौरवमय आख्यान किया गया है, इस पद्य को लिखें।

(च) सेठ सुदर्शन की अभय की साधना को उजागर करने वाला पद्य लिखें।